पीक आवर में बिजली बचाने पर उपभोक्ताओं को पैसों का भुगतान करेगी बीवाईपीएल

90 हजार स्कूली बच्चों को ऊर्जा संरक्षण व पर्यावरण के प्रति जागरूक करेगी बीआरपीएल

नई दिल्लीः 19 अप्रैल, 2018। बीवाईपीएल, टेरी के साथ मिलकर डिमांड रेस्पॉन्स प्रोग्राम नामक एक प्रोजेक्ट शुरू करने जा रही है, जिसके तहत पीक आवर के दौरान बिजली बचाने के एवज में उपभोक्ताओं को पैसों का भुगतान किया जाएगा। यानी, पीक आवर के दौरान एक उपभोक्ता जितनी यूनिट बिजली की बचत करेगा, बीवाईपीएल उस उपभोक्ता को उतनी यूनिट के लिए पैसों का भुगतान करेगी। फिलहाल, इस प्रोजेक्ट में हाईटेंशन यानी एचटी कनेक्शन वाले बड़े उपभोक्ताओं को शामिल किया जाएगा, लेकिन जल्द ही इसके दायरे में सामान्य उपभोक्ताओं को भी लाया जाएगा। नॉन–पीक आवर के मुकाबले, पीक आवर के दौरान बिजली की खपत कई गुणा बढ़ जाती है, जिससे नेटवर्क पर अत्यधिक दबाव पड़ता है। पीक आवर के दौरान बिजली की असामान्य और बेतहाशा खपत में कुछ कमी लाने के उद्देश्य से यह प्रोजेक्ट शुरू किया जा रहा है। उपभोक्ताओं को बिजली बचाने के ऐवज में प्रति यूनिट किस दर से भुगतान किया जाएगा, इसका निर्णय कुछ दिनों में ले लिया जाएगा।

यह डिमांड रेस्पॉन्स प्रोग्राम दो तरीकों से संचालित किया जाएगा– एक तो मैनुअल और एक ऑटोमैटिक। मैनुअल प्रोग्राम के तहत, बीवाईपीएल उपभोक्ताओं को बताएगी कि वे इस वक्त पर अपनी बिजली की खपत को कम कर दें। बीवाईपवीएल से मैसेज मिलने पर, तय समय पर उपभोक्ता उन उपकरणों को ऑफ कर देगा जो अधिक बिजली की खपत करते हैं, और बदले में बीवाईपीएल उसे भुगतान करेगी।

ऑटोमैटिक प्रोग्राम अपनी तरह का एक अनोखा प्रोग्राम है, जिसमें उपभोक्ता की बिजली की खपत का कंट्रोल बीवाईपीएल अपने हाथों में ले लेगी और पीक आवर में जरूरत के हिसाब से उपभोक्ता की बिजली को ऑफ करेगी। पहले चरण में, ऑटोमैटिक प्रोग्राम को कुछ चुनिंदा उपभोक्ताओं पर लागू किया जाएगा। सफल रहने पर, इसके दायरे में अन्य लोगों को भी लाया जाएगा।

दरअसल, बीवाईपीएल ने टेरी के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत दोनों संस्थान मिलकर डिमांड रेस्पॉन्स प्रोग्राम व डिमांड साइड मैनेजमेंट के अलावा, स्मार्ट ग्रिड टेक्नोलॉजी, रूफटॉप सोलर प्रोजेक्ट, इलेक्ट्रिक वाहन और एनर्जी एफिशिएंसी आदि विषयों पर काम करेंगे। साथ ही, एक ग्रीन डिविजन के मॉडल को भी विकसित किया जाएगा। एनर्जी एफिशिएंसी, ऊर्जा संरक्षण, डिमांड साइड मैनेजमेंट और डिजिटल पहल के आधार पर बीवाईपीएल के 14 डिविजनों में से एक को ग्रीन डिविजन बनाया जाएगा। बीवाईपीएल और टेरी मिलकर बिजली फीडर की लोडिंग, वोल्टेज नियंत्रण, बिजली की गुणवत्ता व पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर भी काम करेंगे। इस सिलसिले में दोनों संस्थानों के बीच एक एमओयू साइन किया गया है।

इस समझौते से मध्य और पूर्वी दिल्ली में रहने वाले बिजली उपभोक्ताओं, बीवाईपीएल और टेरी, तीनों को ही लाभ होगा। उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त और विश्वसनीय बिजली आपूर्ति मिलेगी, तो बीवाईपीएल को डीईआरसी द्वारा निर्धारित रिन्युएबल पावर ऑब्लिगेशन यानी आरपीओ के लक्ष्यों को पूरा करने में मदद मिलेगी। डिमांड रेस्पॉन्स प्रोग्राम और रूफटॉप सोलर जैसी पहल से बीवाईपीएल को 50 से 60 मेगावॉट बिजली की बचत होने की उम्मीद है।

उधर, बीआरपीएल ने भी टेरी के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत सरकारी स्कूलों के करीब 90 हजार बच्चों को ऊर्जा संरक्षण के लिए जागरूक किया जाएगा। इस पहल को *एनर्जी वाइज, एनर्जी राइज* नाम दिया गया है। इस सिलसिले में दोनों संस्थाओं के बीच एक एमओयू साइन किया गया है।

इस पहल के तहत स्कूली बच्चें को ऊर्जा संरक्षण, सस्टेनेबिलिटी, नये कॉन्सेप्ट्स, आदि को सीखने व समझने का मौका मिलेगा। यही नहीं, इस प्रोजेक्ट से उन्हें एनर्जी एफिशिएंसी, वैकल्पिक ऊर्जा और पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं को बेहतर तरीके से समझाने में मदद मिलेगी। छात्रों के लिए लक्ष्य यही होगा– *लर्न बाय डुइंड* यानी करते हुए सीखें। यह एक ऐसा प्रोग्राम है, जिसका उद्देश्य है विचारों को कार्य में बदलना। ताकि बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाया जा सके, इसके लिए ऑडियो–विजुअल शैली अपनाई जाएगी और साथ ही प्रैक्टिकल पर भी जोर दिया जाएगा।

इस प्रोजेक्ट के तहत, खासतौर पर तैयार की गईं ऐक्टिविटी बुक्स, लर्निंग मेटेरियल, ब्रेनस्टॉर्मिंग सेशन और प्रैक्टिकल एक्सपीरिएंस के माध्यम से छात्रों में रचनात्मक चिंतनशैली विकसित करने और पर्यावरण संरक्षण को उनकी जीवनशैली का हिस्सा बनाने पर फोकस रहेगा।

उल्लेखनीय है कि बीआरपीएल और बीवाईपीएल ने टेरी के साथ अलग–अलग समझौते किए हैं। बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक, बीएसईएस ग्रीन कॉरपोरेट नागरिक बनने के लिए प्रतिबद्ध है। टेरी के साथ इन समझौतों से हमें पर्यावरण व सस्टेनेबल डेवलपमेंट के क्षेत्र में टेरी की विशेषज्ञताओं का लाभ मिलेगा। इससे हम, और अधिक अर्थपूर्ण तरीकों से अपने उपभोक्ताओं से जुड़ पाएंगे। इससे हमें भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में भी मदद मिलेगी। साथ ही, नए अवसरों का लाभ भी हम उठा पाएंगे।

टेरी के सीनियर डायरेक्टर गिरीश सेठी के मुताबिक– ऊर्जा, पर्यावरण और सतत विकास के क्षेत्र में टेरी दशकों से कार्य कर रही है। हमें उम्मीद है कि बीएसईएस के साथ हुआ समझौता एक पुल की तरह काम करेगा और इससे हमें और अधिक लोगों तक हमारे रिसर्च आउटकम्स तथा नॉलेज बेस को पहुंचाने में मदद मिलेगी, जिससे समाज को लाभ होगा।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।

.....